

हर केरा जावेद बायद जन्नतुल मावा बहिश्त
हर ज़मॉ बा सिद्क़ ख़्वानद शजर-ए-पीराने चिश्त



शजर-ए-तैय्येबा

सिलसिल-ए-आलिया चिश्तिया निज़ामिया सफ़विया



पीरे तरीक़त दाइये इस्लाम

हज़रत शेख़
अबु सईद शाह एहसानुल्लाह मोहम्मदी सफ़वी
दामत बरकातुहुमुल क़ुदसिया

ज़ेब सज्जादा

आस्तान-ए-आलिया, आरफिया, सैयद सरावॉ शरीफ, इलाहाबाद



शजर-ए-तैय्येबा

सिलसिल-ए-आलिया चिश्तिया निज़ामिया सफ़विया

पीरे तरीक़त दाइये इस्लाम

हज़रत शेख़

अबु सईद शाह एहसानुल्लाह मोहम्मदी सफ़वी

दामत बरकातुहुमुल क़ुदसिया

ज़ेब सज्जादा

आस्तान-ए-आलिया, आरफिया, सैयद सरावाँ शरीफ, इलाहाबाद



सिलसिल-ए-आलिया चिश्तिया निज़ामिया सफ़विया

हर केरा जावेद बायद जन्नतुल मावा बहिश्त
हर ज़माँ बा सिद्क़ ख़्वानद शजर-ए-पीराने चिश्त

बेहक़्क़े मन क़ाला क शजरतिन तैय्येबतिन
असलुहा साबितुवं व फरअुहा फिस्समाए

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शेख़ अबु सईद शाह एहसानुल्लाह मोहम्मदी सफ़वी बेतूले हयातिही	ज़ेब सज्जादा आस्ताना आलिया आरफिया सैयद सरावाँ शरीफ, इलाहाबाद

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत मख़्दूम शाह अहमद सफ़ी ख़ादिम मोहम्मद सफ़वी मोहम्मदी उर्फ़ शाह रेयाज़ अहमद क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 15 मोहर्रम 1400 हि०, मज़ार मोक़द्दस सैयद सरावाँ शरीफ़, इलाहाबाद
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत मख़्दूम शाह सफ़ीउल्लाह मोहम्मदी सफ़वी उर्फ शाह नेयाज़ अहमद क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 28 शाबान 1374 हि० मज़ार मोक़द्दस सैयद सरावाँ शरीफ इलाहाबाद
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत सुल्तानुल अरिफ़ीन क़ुदवतुस्सालिकीन बन्दग़ी मख़्दूम-ख़्वाजा शहन्शाह आरिफ़ सफ़ी मोहम्मदी सफ़वी महबूबे इलाही लाहूती ग़ेसूदराज़ क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 28 शाबान 1374 हि० मज़ार मोक़द्दस सैयद सरावाँ शरीफ इलाहाबाद

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत सुल्तानुल अरिफ़ीन ज़ुब्दतुस्सालिकीन बन्दगी मख़्दूम साहबे सिर्रे कुलहोवल्लाह शाह अब्दुल ग़फ़ूर मोहम्मदी सफ़वी चर्म पोश महबूबे यज़दानी क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 22 जमादिल उला 1324 हि०, मज़ार मोक़द्दस बाराबंकी शरीफ़, मोहल्ला रसूलपुर
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत मख़्दूम शाह मोहम्मद ख़ादिम सफ़ी मोहम्मदी सफ़वी महबूबे रहमानी क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 13 रजब 1287 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ़
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह मोहम्मद हफ़ीज़ुल्लाह क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 20 जमादिल आख़िर 1281 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह मोहम्मदी उर्फ़ ग़ुलाम पीर क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 15 जमादिलउला 1251 हि०, मज़ार मोक़द्दस सान्डी हरदोई
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह अफहाम उल्लाह क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 21 रबीउलअव्वल 1196 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ़
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह अब्दुल्लाह क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 6 रबीउल अव्वल 1163 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह भूलन क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 1 रजब 1104 हि० मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह ज़ाहिद क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 3 रमज़ान 1095 हि० मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह अब्दुल वाहिद क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 3 रबीउलअव्वल 1075 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह अब्दुर्रहमान क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 11 शव्वाल 1047 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह बन्दगी अकरम क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 3 रबीउलआख़िर 1026 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शाह बन्दगी मुबारक क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 24 रजब 956 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शैख़ अब्दुस्समद उर्फ मख़्दूम शाह सफ़ी क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 19 मोहर्रम 945 हि०, मज़ार मोक़द्दस सफ़ीपुर शरीफ

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत मख़्दूम शैख़ साअदुद्दीन ख़ैराबादी क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 16 रबीउल अव्वल 922 हि०, मज़ार मोक़द्दस ख़ैराबाद, सीतापुर
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत शैख़ मोहम्मद उर्फ़ मख़्दूम शाह मीना क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 23 सफर 884 हि०, मज़ार मोक़द्दस-लख़नऊ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत मख़्दूम शैख़ सारंग क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 17 शव्वाल 855 हि०, मज़ार मोक़द्दस मझगवाँ शरीफ, बाराबंकी

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत सैय्यद अबुल फज़ल उर्फ राजू क़त्ताल क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 16 जमादिल आख़िर 827 हि०, मज़ार मोक़द्दस–ओच्छ क़रीब मुल्तान
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत मख़्दूम जहानियां जहां गश्त जलालुलहक़ बुख़ारी क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 10 ज़िलहिज्जा 785 हि०, मज़ार मोक़द्दस–अवछ क़रीब मुल्तान
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा नसीरुद्दीन चराग़ देहली क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 18 रमज़ान 757 हि०, मज़ार मोक़द्दस–देहली

इलाही बहुर्मत राज़ो नेयाज़ हज़रत सुल्तानुल मशायख़ ख़्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया महबूबे इलाही क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 18 रबीउस्सानी 725 हि०, मज़ार मोक़द्दस देहली
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाज शैख़ फ़रीदुद्दीन मसऊद गंज शकर क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 5 मोहर्रम 664 हि०, मज़ार मोक़द्दस पाक पटन शरीफ, पाकिस्तान
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा क़ुतुबुद्दीन बख़्तियार काकी ओशी क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 14 रबीउल अव्वल 633 हि०, मज़ार मोक़द्दस देहली शरीफ

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगां ख़्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती हसन संजरी महबूबे रब्बानी क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 6 रजब 632 हि०, मज़ार मोक़द्दस अजमेर शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा उस्मान हारूनी चिश्ती क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 5 शव्वाल 603 हि०, मज़ार मोक़द्दस मक्का मोअज़्ज़मा
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा हाजी शरीफ़ ज़न्दनी क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 10 रजब 584 हि०, मज़ार मोक़द्दस ज़न्दना परगना बोख़ारा शरीफ

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत कुतुबुद्दीन मौदूद बिन अबू यूसुफ़ चिश्ती क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 1 रजब 527 हि०, मज़ार मोक़द्दस चिश्त उर्फ शाक़लान दर दर्रा कोह
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा नासिरउद्दीन अबू यूसुफ़ चिश्ती क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 3 रजब 459 हि०, मज़ार मोक़द्दस चिश्त शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत नासेहुद्दीन अबू मोहम्मद बिन अबू अहमद चिश्ती क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 4 रबीउस्सानी 411 हि०, मज़ार मोक़द्दस चिश्त शरीफ

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा कुदवतुद्दीन अबू अहमद अब्दाल चिश्ती क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 1 जमादिउस्सानी 355 हि०, मज़ार मोक़द्दस चिश्त शरीफ
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा अबुल इस्हाक़ शामी चिश्ती क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 14 रबीउस्सानी 329 हि०, मज़ार मोक़द्दस अक्का, शाम
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा उल्व दीनौरी क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 14 मोहर्रम 299 हि०, मज़ार मोक़द्दस-अक्का, शाम

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा हुबैरा बसरी क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 7 शव्वाल 287 हि०, मज़ार मोक़द्दस बसरा, इराक़
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा सदीदुद्दीन हुज़ैफ़ा मरअशी क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 4 शव्वाल 252 हि०, मज़ार मोक़द्दस बसरा इराक़
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा इब्राहीम बिन अदहम बल्ख़ी क़ुद्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 26 जमादिल ऊला 166 हि०, मज़ार मोक़द्दस दर शाम क़रीब मज़ारे लूत अलैहिस्सलाम

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा फ़ुज़ैल बिन अयाज़ क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 3 रबीउलअव्वल 187 हि०, मज़ार मोक़द्दस मक्का मोअज़्ज़्मा
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा अब्दुल वाहिद बिन ज़ैद क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 27 सफ़र 177 हि०, मज़ार मोक़द्दस बसरा, इराक़
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा हसन बसरी क़द्दसल्लाहो सिर्रहू	वफ़ात 1 रजब 110 हि०, मज़ार मोक़द्दस बसरा, इराक़

इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत ख़्वाजा अमीरूल मोमिनीन इमामुल आलमीन असदुल्लाहिल ग़ालिब अली बिन अबी तालिब कर्रमल्लाहो वजहहु	वफ़ात 21 रमज़ान 40 हि०, मज़ार मोक़द्दस नजफ़ अशरफ़ इराक़
इलाही बहुर्मते राज़ो नेयाज़ हज़रत सैयदना व मौलाना ख़्वाजा - ए - ख़्वाजगां सैयदुलमुर्सलीन ख़ातिमुन नबीयीन सुल्तानुल अम्बिया अहमदे मुजतबा मोहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहोअलैहे व आलिही वसल्लम	वफ़ात 12 रबीउल अव्वल 11 हि०, मज़ार मोक़द्दस मदीना मुनव्वरा

अल्लाहुम्मा सब्बित क़दमी अलस्सिरातिल मुस्तक़ीम

मुरीद शुद.............................दर हल्क़ए

पीराने चिश्त दर आमद इलाही
अन्जाम व आक़बत बख़ैर बाद

आमीन सुम्मा आमीन या रब्बल आलमीन

हस्ताक्षर

ज़रुरी तालीमात

ख़ूब याद रखें कि आप ने इस फक़ीर के हाथ पर अपने सारे छोटे-बड़े दानिस्ता व नादानिस्ता गुनाहों से तौबा की है। अहेद करें कि आप किसी तरह के गुनाह के क़रीब न जाऐंगे। फिर इन्शाअल्लाह पीराने तरीक़त की हिम्मत और मदद शामिले हाल होकर तमाम गुनाहों से महफ़ूज़ रखेगी। आमीन तौबा वही मक़बूल है जिसमें अपने गुनाहों पर नदामत और आइन्दा के लिए उनसे बचने का पुख़्ता इरादा हो। आप ने बैअत करके अल्लाह जल्ला शानुहू से अहेद किया है। अब आपको लाज़िम है कि इस अहेद पर क़ाएम रहें। अगर आप ने ऐसा नहीं किया तो अहेद के तोड़ने वाले होंगे। और इस का ख़मियाज़ा भी आप ही को भुगतना पड़ेगा। पस लाज़िम है कि हर काम करने से पहले सोच लें कि ये काम इस अहेद के ख़िलाफ तो नहीं है।

हुज़ूर नबी-ए-करीम अलैहिस्सलाम ने जिन बातों का हुक्म फ़रमाया है उनको बजा लाएँ और जिन कामों से मना फ़रमाया है उनसे दूर रहें। खुसूसन फ़राइज़ व वाजिबात की पाबन्दी करते रहें। जब तक होश व हवास बाक़ी रहे नमाज़ व रोज़ा के अदा करने में कोताही न बरतें वरना कहीं के न रहेंगे।

अपने अवक़ात को फुज़ूल बातों में सर्फ़ ना करें। अच्छी आदतें मसलन सब्र व रज़ा, सिदक़ व इख़्लास, अद्ल व इन्साफ़, एहसान व मुरव्वत, क़नाअत व तवक्कुल, ईसार व कुर्बानी, आजिज़ी व इन्केसारी वग़ैरह इख़्तेयार करें। बुरी आदतें मसलन झूट, फ़रेब, बोग़्ज़ व हसद, नख़वत व गुरुर, जुल्म व इन्तेक़ाम, नफ़रत, ख़यानत, बेइमानी, बदअख़्लाक़ी, गुस्सा, ग़ज़ब, ग़ीबत, चुग़ल-ख़ोरी, ख़ुद-पसन्दी, रेया, बुख़्ल, लालच वग़ैरह से दूर रहें । और चोरी, जुआ, शराब, सूद, ज़ेना, लेवातत, झूठी क़सम, क़तअ रहमी,

बहस व मुबाहसा, लड़ाई-झगड़ा, झूठी गवाही, क़त्ल व ग़ारत-गरी, वालिदैन की नाफ़रमानी व दिलआज़ारी, औरतों पर जुल्म व ज़्यादती, तअस्सुब और ओलमा व मशाएख़ की तौहीन से बचते रहें । किसी से बदला न चाहें। अपने नफ़्स के लिए किसी को ना तो बुरा कहें और ना उसका बुरा चाहें। इस बात की पूरी कोशिश करें कि किसी पर ज़्यादती न हो। फ़ज़्ल व करम का बरताव रखें । दुख देने वाले को भी राहत पहुँचाऐं। बुरा चाहने वालों का भी भला चाहें। किसी की ग़ीबत न करें नफ़्सानियत को राह न दें। हुक़ूकुल एबाद का खुसूसी ख़्याल रखें। ग़रीबों, मिस्कीनों, कमज़ोरों, बीमारों, यतीमों, बेवाओं वग़ैरह पर ज़्यादा से ज़्यादा रहम की निगाह रखें। हर शख़्स से ख़न्दापेशानी से मिलें किसी का दिल न दुखाऐं। हर शख़्स की दिलजोई करें। यही तरीक़ा पीरान-ए-एज़ाम का रहा है। जो पीराने तरीक़त की रविश पर चलेगा मुम्किन नहीं कि उसका असर न हो।

इस राह में पीर का बहुत ही अहम मक़ाम है। जो पीर का न हुआ वो चाहे हवा में उड़े या पानी पर चले कुछ भी नही है। पीर की ख़िदमत से पीर की मोहब्बत पैदा होती है। और पीर ही की मोहब्बत से रसूलुल्लाह की मोहब्बत और रसूलुल्लाह की मोहब्बत से अल्लाह जल्ला शानुहू की मोहब्बत पैदा होती है जो इन्सान की पैदाईश का मक़सद है। पीर का फ़रमान रसूलुल्लाह के फ़रमान के मानिन्द है। जिसने पीर का फ़रमान बजालाया गोया उसने रसूलुल्लाह का फ़रमान बजालाया।

नक़ल है कि ख़्वाजा कुतुबुद्दीन बख़्तेयार काकी रह० ने अपने एक मुरीद शैख़ अली सन्जरी को इस हालत में आवाज़ दी कि वह नमाज़ में मशगूल था उसने फ़ौरन नियत तोड़कर कहा, हाज़िर हूँ कुतुब साहब ने ये देख़कर कहा कि नमाज़ पढ़ ली होती तब हाज़िर होते, उस मुरीद ने कहा मख़्दूम का जवाब

नफ़्ल नमाज़ से बढ़कर है। क्योंकि सुलूक की किताबों में लिखा है कि जब पीर मुरीद को आवाज़ दे तो फ़ौरन जवाब दे तो एक बरस की इबादत का सवाब उसके नाम-ए-आमाल में लिखा जाएगा।

कहते हैं कि ख़्वाजा अबू ज़ैद मरग़ज़ी फक़ीह ख़ुरासानी रह० हज को जा रहे थे रास्ते में जब किरमान शाह पहुँचे तो शैख़ इब्राहीम शैबान रह० को वहाँ मौजूद पाया चुनान्चे हज का इरादा तर्क कर दिया और शैख़ की सोहबत और दिल की दुरुस्तगी और उसकी फ़र्माबरदारी को मोक़द्दम जाना।

मशाएख़ का क़ौल है कि एक दिन सिद्क़ के साथ पीर की ख़िदमत, बे सिद्क़ हज़ार बरस की इबादत से बेहतर है।

ख़्वाजा उस्मान हारुनी रह० फ़रमाते हैं कि जो शख़्स एक रोज़ अपने पीर की ख़िदमत कमाहक़्क़ोहू करता है और मोहब्बत से उसकी तरफ

देखता है उसके बदले में हक़ तआला उसको बहिश्त में हज़ार महल रहने को अता करेगा कि हर महल मोती का होगा, हर महल के साथ एक हूर अता फ़रमायेगा और हज़ार बरस की इबादत उसके नाम-ए-आमाल में लिखेगा और क़यामत के रोज़ बेहिसाब जन्नत में दाख़िल फ़रमायेगा। मुरीद पीर से उस वक़्त तक फ़ैज़याब नहीं हो सकता जब तक पीर की हक़्क़ानियत का क़ाएल न हो, जिस क़दर पीर की हक़्क़ानियत का क़ाएल होगा उसी क़दर जल्द फ़ैज़याब होगा लेहाज़ा पीर के आदाब वही हैं जो अल्लाह व रसूल के आदाब हैं।

पीर का मरदूद कहीं भी मक़बूल नही हो सकता लेहाज़ा इससे डरते रहने की ज़रुरत है। जिस तरह भी मुम्किन हो पीर को राज़ी रखे और अपने को इस तरह उस के सुपुर्द कर दे जैसे मुर्दा गुस्ल देने वाले के हाथ में होता है। पीर की मोहब्बत और उसकी सोहबत से एक लम्हे में वह फवायद हासिल होते हैं जो

बरसों की इबादत से हासिल नहीं होते। पीर के सामने किसी विर्द-व-वज़ीफ़ा या शोग़्ल में मुन्हमिक न हों बल्कि उसी की तरफ मुतवज्जेह रहें। पीर से दूर रहकर भी उसी की तरफ मुतवज्जेह रहें ये तवज्जोह भी सोहबत का असर रखती है।

लाग की आग से बारे तन को
अपने मन को मार बन्दे।
काम क्रोध और लोभ को छोड़ो
तब होई हैं उध्धार बन्दे।

दसों द्वार को बन्द कर बैठो
तब होइ हैं दीदार बन्दे।
कहत सईदा सत् गुरु बिन
भक्ति है बेकार बन्दे।